लखनऊ
सोमवार, 03 अप्रैल 2023
वर्षः-07 अंकः-36
पृष्ठः-8 मूल्यः- 2 रुपये
RNI- UPHIN/2016/74800

हिन्दी साप्ताहिक

करण वाणी

नई सोच, नया जुनून.....

चकमा दे दिया करो
गमो को,

अपने होठो की
मुस्कराहट दिखाकर..

भाजपा के सत्ता में आते ही दंगाइयों को उल्टा लटका दिया जाएगाः शाह

अमित शाह ने नवादा रैली के दौरान स्पष्ट तौर पर कहा, चुनाव के परिणामों के बाद नीतीश बाबू को भाजपा फिर से एनडीए में नहीं लेगी. शाह ने कहा, नीतीश और ललन सिंह को मैं स्पष्ट कह देना चाहता हूं कि आपके लिए एनडीए के दरवाजे हमेशा के लिए बंद हो चुके हैं, गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि अब तो बिहार की जनता भी चाहती है कि नीतीश जी को दोबारा एनडीए में न लिया जाए।

करण वाणी, न्यूज

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को बिहार में नीतीश कुमार की महागठबंधन सरकार के कार्यकाल में भ्रष्टाचार, अराजकता और दमन का माहौल व्याप्त होने का आरोप लगाने के साथ ही चेतावनी भरे स्वर में कहा कि 2024 में भाजपा के सत्ता में आते ही सभी दंगाइयों को ह्यउल्टा लटका दिया जाएगा।

शाह ने नवादा जिले के हिसुवा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए बिहारशरीफ और सासाराम में सांप्रदायिक तनाव के लिए पूरी तरह राज्य की नीतीश कुमार नीत सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि इन दोनों शहरों में आग लगी है और वह सासाराम में हिंसा की वजह से वहां नहीं जा पाए।

भाजपा के प्रमुख रणनीतिकार माने जाने वाले शाह ने सासाराम की स्थिति के बारे में कहा कि वहां पर लोग मारे जा रहे हैं और गोलियां चल रही हैं। प्रशासन का कहना है कि सासाराम और बिहारशरीफ में दंगों में अभी तक कोई हताहत नहीं हुआ है। भाजपा ने सासाराम में सीआरपीसी की धारा 144 लगाने को शाह की यात्रा को रद्द करने के लिए जिम्मेदार ठहराया है, जो सम्राट अशोक की जयंती के अवसर पर एक समारोह में शामिल होने वाले थे।

हालांकि, रोहतास जिले के प्रशासन ने दावा किया है कि कोई निषेधाज्ञा लागू नहीं की गई है और उन पुलिस कर्मियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं, जो कैमरे के सामने लोगों को इसलिए घरों के अंदर रहने के लिए कहते हुए पकड़े गए हैं, क्योंकि ह्यधारा 144 लागू है।

शाह ने कहा मैंने स्थिति का जायजा लेने के लिए बिहार के राज्यपाल से बात की। ललन सिंह (जद (यू) के अध्यक्ष) इसका विरोध कर रहे हैं। उन्हें याद रखना चाहिए कि मैं देश का गृह मंत्री हूं। अगर बिहार में अराजकता कायम है, तो मैं मूक दर्शक नहीं बन सकता। राज्य देश का एक हिस्सा है। उन्होंने कहा, 2024 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को फिर से सत्ता में लाएं, और विधानसभा चुनाव में भाजपा की सरकार बनाने में मदद करें। सारे दंगाइयों को उल्टा लटका दिया जाएगा।

शाह ने कहा कि लोकसभा चुनाव के बाद नीतीश सरकार खुद ही गिर जाएगी । उन्होंने नीतीश कुमार की महागठबंधन सरकार के कार्यकाल में भ्रष्टाचार, ह्यअराजकता और दमन का माहौल व्याप्त होने का आरोप लगाते हुए कहा कि बिहार में कानून व्यवस्था मोदी जी ही ठीक कर सकते हैं । शाह ने नीतीश के लिए राजग के दरवाजे हमेशा के लिए बंद होने के अपने कथन को फिर से दोहराते हुए कहा कि पिछले साल अगस्त में भाजपा को धोखा देने वाले नीतीश कुमार को एक सहयोगी के रूप में कभी भी स्वीकार नहीं किया जाएगा।

केंद्रीय गृह मंत्री ने पूर्व गठबंधन सहयोगी जद (यू) को अपने धुर विरोधियों राजद, कांग्रेस और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस के साथ एक ही पलड़े में रखते हुए कहा, कांग्रेस, जनता दल यू, राजद और ममता झ इन सभी ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का विरोध किया था, लेकिन मोदी जी ने एक सुबह आधारशिला रखी और अब मंदिर आकार ले रहा है।

अपने करीब 30 मिनट के भाषण में पूर्व भाजपा अध्यक्ष ने महागठबंधन की खामियों को उजागर करते हुए कहा कि राजद प्रमुख और तेजस्वी यादव के पिता लालू प्रसाद उम्मीद लगाए बैठे हैं कि उनका बेटा मुख्यमंत्री बनेगा । उन्होंने कहा, लेकिन वह नीतीश को नहीं जानते हैं। नरेन्द्र मोदी के सत्ता में तीसरी बार लौटने के बाद नीतीश कुमार का प्रधानमंत्री बनने का सपना चूर-चूर हो जाएगा और वह तेजस्वी को सत्ता नहीं सौंपेंगे।

शनिवार की रात को बिहार पहुंचे शाह ने हिसुआ के लिए रवाना होने से पूर्व भाजपा नेताओं के साथ चर्चा की और अपने विरोधियों पर तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया, जिसने आतंकवाद को पनपने में मदद की।

हिंसा की आग में सासाराम, इंटरनेट बंद, कर्फ्यू लागू

नालंदा के बिहारशरीफ में हुई हिंसा के बाद वहां हालात गंभीर बने हुए हैं, दो पक्षों के बीच हो रही हिंसक झड़प के बाद नालंदा के जिलाधिकारी शशांक शुभंकर ने कर्फ्यू लगाने की घोषणा की है जबकि 144 पहले से लागू है. पुलिस लोगों से अपील कर रही है कि वो अफवाहों पर ध्यान ना दें।

करण वाणी, न्यूज

रामनवमी के दौरान भड़की हिंसा की आग में बिहार अभी तक दहक रहा है. सासाराम और बिहार शरीफ में फिर से भड़की हिंसा में 9 लोगों के घायल होने की खबर है. इनमें से कुछ लोगों की हालत बेहद गंभीर बताई जा रही है. शनिवार रात सासाराम के शेरगंज इलाके में एक धार्मिक स्थल के बाहर बम फेंका गया. धमाके में 6 लोग बुरी तरह से जख्मी हो गए जिन्हें इलाज के लिए पहले स्थानीय अस्पताल लाया गया. हालत गंभीर देखकर सभी को बाद में बीएचयू रेफर कर दिया गया. रोहतास में इंटरनेट सेवा पूरी तरह बंद है।

छावनी में तब्दील हुआ शहर

नालंदा के जिलाधिकारी शशांक शुभंकर ने शहर में कर्फ्यू लगाने की घोषणा की है. बिहार शरीफ के पहाड़पुर में शनिवार शाम को ताजा हिंसा के दौरान 12 राउंड गोलियां चलीं जबकि काशी तकिया में 6 राउंड फायरिंग हुई. सासाराम में पुलिस टीम, स्पेशल टॉस्क फोर्स और पारा मिलिट्री फोर्स ने फ्लैग मार्च भी किया. पूरा शहर में पुलिस छावनी में तब्दील हो गया है और रैपिड एक्शन फोर्स की तैनाती हो चुकी है, रोहतास में शिक्षा विभाग ने सभी सरकारी स्कूल, मदरसों और कोचिंग सेंटर्स को 4 अप्रैल तक बंद रखने का आदेश जारी किया है।

3.5 करोड़ की लूट

यही नहीं, बिहारशरीफ की मेन मार्केट में ही 'डिजिटल दुनिया' नाम के स्टोर में भी उपद्रवियों ने हिंसा की आड़ में जमकर लूटपाट की. स्टोर मालिक का दावा है कि उपद्रवी करीब साढ़े तीन करोड़ का इलेक्ट्रॉनिक सामान, मोबाइल, लैपटॉप लूट ले गए. आपको बता दें कि रामनवमी के दूसरे दिन यानी शुक्रवार को पहले सासाराम में पथराव-आगजनी हुई थी, फिर नालंदा भी सुलग उठा. हिंसक झड़पों के बाद धारा 144 लागू होने के कारण शाह का बिहार के रोहतास में सासाराम का दौरा रद्द कर दिया गया था।

हिंसा में अब तक के अपडेट

1- हिंसा केस में अब तक 26 गिरफ्तार
2- रोहतास में सरकारी स्कूल-मदरसे 4 अप्रैल तक बंद
3- बिहार शरीफ में कर्फ्यू लागू
4- सासाराम में धारा 144 लागू
5- गृहमंत्री अमित शाह का सासाराम दौरा रद्द, नवादा में तय वक्त पर रैली

पुलिस प्रशासन की लोगों से अपील

नालंदा के डीएम ने बिहारशरीफ शहर को लेकर लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील करते हुए कहा कि अफवाह फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी, वहीं नालंदा के पुलिस अधीक्षक अशोक मिश्रा ने कहा, 'नालंदा के बिहारशरीफ में स्थिति पूर्णतः सामान्य है, आमजनों से अपील है कि किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान ना दें, अफवाह फैलाने पर गंभीर कार्यवाही की जायेगी।

यूपी के छात्र अब नहीं पढ़ेंगे मुगलों का इतिहास

योगी सरकार ने सिलेबस में किया बदलाव

यूपी में 12वीं में पढ़ाई जाने वाली इतिहास की किताब में से मुगल चैप्टर हटा दिया गया है, इसके अलावा 11 वीं की किताब से इस्लाम का उदय, संस्कृतियों में टकराव, औद्योगिक क्रांति पाठ हटाए गए।

करण वाणी, न्यूज

उत्तर प्रदेश सरकार ने यूपी बोर्ड और सीबीएसई बोर्ड के सिलेबस में बड़ा बदलाव किया है. दरअसल, अब स्कूलों में मुगलों के इतिहास के बारे में नहीं पढ़ाया जाएगा. शैक्षिक सत्र 2023-24 में 12वीं में पढ़ाई जाने वाली इतिहास की किताब में से मुगल चैप्टर हटा दिया गया है. इसके अलावा 11वीं की किताब से इस्लाम का उदय, संस्कृतियों में टकराव, औद्योगिक क्रांति, समय की शुरूआत पाठ हटाए गए हैं।

शैक्षिक सत्र 2023-24 में इंटरमीडिएट में पढ़ाई जाने वाली इतिहास की किताब में 'भारतीय इतिहास के कुछ विषय-द्वितीय' से शासक और मुगल दरबार को हटाया दिया गया है. इसी के साथ नागरिक शास्त्र की किताब से अमेरिकी वर्चस्व और शीत युद्ध का पाठ भी हटाया गया है.

बता दें कि यूपी सरकार का यह फैसला शैक्षिक सत्र 2023-24 से लागू किया जा रहा है. इतिहास की

किताब के अलावा अन्य विषयों में भी ये बदलाव देखने को मिला है. सबसे पहले 12वीं के सिलेबस के बारे में बात करते हैं. 12वीं की इतिहास की किताब में मुगलों के इतिहास को हटा दिया है।

पहले 12वीं की इतिहास की किताब में 'भारतीय इतिहास के कुछ विषय-द्वितीय' से लेकर शासक और मुगल दरबार चैप्टर होते थे, जो अब आपको नहीं दिखाई देंगे. इसी के साथ 11वीं कक्षा के सिलेबस में बदलाव करते हुए इतिहास की किताब में से इस्लाम का उदय, औद्योगिक क्रांति, संस्कृतियों में टकराव और समय की शुरूआत चैप्टर को भी हटा दिया गया है। इसी के साथ नागरिक शास्त्र की किताब में भी परिवर्तन देखने को मिला है. वहीं स्वतंत्र भारत में राजनीति की किताब से जन आंदोलनों का उदय और एक दल के प्रभुत्व का दौर चैप्टर भी हटाया गया. इसके अलावा, 10वीं की लोकतांत्रिक राजनीति 2 की किताब से लोकतंत्र और विविधता, जनसंघर्ष और आंदोलन, लोकतंत्र की चुनौतियां पाठ हटाए गए।

केरल में ट्रेन में शख्स ने पैसेंजर को लगाई आग, तीन की मौत, 9 घायल

करण वाणी, न्यूज

केरल के कोझिकोड में रविवार को एक्सप्रेस ट्रेन में चढ़ने को लेकर दो यात्रियों के बीच कहासुनी हो गई। इसके चलते एक यात्री ने दूसरे यात्री पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 9 लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि मृतकों में एक महिला, बच्चा और पुरुष शामिल हैं, जिनके शव देर रात इलाथुर रेलवे स्टेशन की पटरी से बरामद किए गए।

घटना के तुरंत बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। हालांकि आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और उसकी तलाश की जा रही है। सभी घायलों को कोझिकोड के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है।

ट्रेन की पटरी पर मिले तीनों शव

पुलिस ने बताया कि घटना अलप्पुझा-कन्नूर एग्जीक्यूटिव एक्सप्रेस में रविवार रात 9:45 बजे की है। ट्रेन ने जैसे ही कोझिकोड क्रॉस किया, दो लोगों में किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ और एक व्यक्ति ने दूसरे यात्री को आग लगा दी। इसके चलते अन्य यात्रियों ने चेन पुलिंग कर ट्रेन को रोका और पुलिस को घटना की जानकारी दी।

मौके पर पहुंची पुलिस को यात्रियों ने बताया कि एक महिला और बच्चा ट्रेन से लापता हैं। पुलिस ने दोनों की तलाश शुरू की तो इलाथुर रेलवे स्टेशन की पटरी पर महिला, बच्चे और एक पुरुष का शव मिला। पुलिस को संदेह है कि आग देखकर या तो उन्होंने भागने की कोशिश की होगी या वह ट्रेन से गिर गए। वहीं पुलिस आरोपी को पकड़ने के लिए आसपास के फुटेज की जांच की जा रही है।

अंगदान किसी को जीवनदान देने का महत्वपूर्ण साधन है: राज्यपाल

राज्यपाल ने लखनऊ में नवनिर्मित वेलसन मेडिसिटी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का उद्घाटन किया।

करण वाणी, न्यूज

लखनऊ। राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने लखनऊ में सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, वेलसन मेडिसिटी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि चिकित्सा सेवा का लक्ष्य मानव जीवन को सुगमता प्रदान करना है। चिकित्सा सेवा की अन्य मानव सेवाओं से कोई तुलना नहीं। उन्होंने चिकित्सा संस्थान को बधाई देते हुए अपेक्षा की कि चिकित्सक रोगियों के उपचार में कोई कमी नहीं लायेगें और अस्पताल में आने वाले प्रत्येक रोगी को उत्कृष्ट चिकित्सीय सेवाएं प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि रोगी के लिए डाक्टर उसका भगवान होता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अस्पताल में उपलब्ध चिकित्सीय सुविधाएं यहाँ आने वाले मरीजों के लिए बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में मील का पत्थर साबित होंगी।

राज्यपाल जी ने प्रदेश की राजधानी लखनऊ में उपलब्ध चिकित्सीय सुविधाओं की चर्चा करते हुए कहा कि लखनऊ शिक्षा का हब बनने के साथ-साथ अब चिकित्सा हब बनने की दिशा में बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। यहाँ अनेक चिकित्सा संस्थाएं हैं जो अपनी विशिष्ट पहचान रखती हैं, जहाँ प्रदेश के ही नहीं, बल्कि अन्य प्रदेशों और यहां तक नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका जैसे पड़ोसी देशों से भी अनेक लोग उपचार के लिये आते हैं। यहा के राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्पर पर प्रसिद्ध केजीएमयू, एसजीपीजीआई, आरएमएल आयुर्विज्ञान संस्थान जैसे चिकित्सा एवं चिकित्सा शिक्षा केन्द्रों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि लखनऊ में अनेक गम्भीर रोगों का इलाज भी होता है, जिससे यहां के लोगों को अन्यत्र नहीं जाना पड़ता है।

इस अवसर पर किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ0 बिपिन पुरी, डॉ0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो0 सोनिया नित्यानंद, स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया के महाप्रबन्धक श्री शरद चंदक, वेलसन मेडिसिटी के प्रमुख श्री विजय कुमार, वेलसन मेडिसिटी के चेयरमैन डॉ0 शैलेश त्रिपाठी, चिकित्सक, अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

गेस्ट हाउस कांड नहीं होता तो सपा-बसपा गठबंधन का राज होता: मायावती

करण वाणी, न्यूज

उत्तर प्रदेश में निकाय चुनाव की तैयारियों को लेकर हलचल तेज हो गई है. बीते दिनों नगर निकाय चुनाव को लेकर आरक्षण सूची भी जारी कर दी गई है. सियासी दलों ने भी निकाय चुनाव को लेकर कमर कस ली है. इसी क्रम में बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती ने निकाय चुनाव को लेकर बैठक की है. इस बैठक में निकाय चुनाव की तैयारियां को लेकर जायजा लिया गया. इस दौरान बसपा चीफ मायावती ने कई बड़ी बातें बोली और सपा को जमकर निशाने पर लिया।

मायावती ने किया गेस्ट हाउस कांड का जिक्र

बैठक में उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बसपा सुप्रीमो मायावती ने गेस्ट हाउस कांड को याद किया और समाजवादी पार्टी पर भी हमला बोला. बसपा सुप्रीमो ने कहा कि गेस्ट हाउस कांड अगर नहीं होता तो समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी का गठबंधन देश पर राज कर रहा होता.

मायावती ने सपा पर बोला बड़ा सियासी हमला

इस दौरान बसपा सुप्रीमो मायावती ने बिना नाम लिए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर भी हमला बोला. बीएसपी सुप्रीमो ने कहा, ह्लअब सपा ने कांशीराम जी के नाम को भुनाने की कोशिश शुरू कर दी है, जबकि सपा का दलितों, अति पिछड़ी जातियों, बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर और खुद कांशीराम जी के साथ भी एहशान फरामोशी, राजनैतिक और जातिवादी द्वेष का लंबा इतिहास रहा है, जो लोगों के सामने हैं. इसके लिए सपा को कभी माफ नहीं किया जा सकता है।

सपा की वजह से ही भाजपा उठ रही है

इस दौरान बीएसपी सुप्रीमो मायावती ने सपा को घेरते हुए कहा, गेस्ट हाउस कांड की वजह से सपा-बसपा का गठबंधन टूटा. अगर सपा कांशीराम जी के सोच के आधार पर गठबंधन सरकार चलाती रहती तो इस गठबंधन में कभी दरार नहीं पड़ती. मगर सपा की दलित-अति पिछड़ा विरोधी संकीर्ण राजनीति और मुस्लिम समाज के प्रति छलावे वाले रवैयों के कारण ऐसा नहीं हो सका. इसके कारण ही आज भाजपा उठ रही है. इसके बाद भी सपा, भाजपा से लड़ने के बजाए सपा को ही कमजोर करने का काम कर रही है।

निकाय चुनाव को लेकर दिया ये निर्देश

बैठक में बसपा सुप्रीमो ने निकाय चुनाव को लेकर अहम निर्देश भी दिए. मायावती ने निर्देश देते हुए कहा कि निकाय चुनाव में पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी व अन्य जिम्मेदार लोग उम्मीदवारों का चयन काफी सोच-समझकर करें और उन्हीं लोगों को प्राथमिकता दें।

इस दौरान बसपा चीफ ने यह भी कहा कि निकाय चुनाव में सरकारी मशीनरी के गलत इस्तेमाल और विरोधी पार्टियों के साम दाम दंड भेद के हथकंडा से भी खुद को बचने के साथ-साथ लोगों को भी इसके लिए बचाने और मुस्तैद रहने की जरूरत है, ताकि वोट हमारा राज तुम्हारा का घिनौना चक्र बंद हो।

अखिलेश का दलित कार्ड आज करेंगे कांशीराम की प्रतिमा का अनावरण

करण वाणी, न्यूज

निकाय चुनाव और 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर इस समय उत्तर प्रदेश कि सियासत गरम है. सभी राजनीतिक दल अपनी-अपनी तैयारियां और रणनीतियों में जुटे हुए हैं. इस सियासी रण में कोई भी सियासी दल नहीं चाहता कि उससे किसी भी तरह की चूक हो जाए. इसी बीच समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव भी कांशीराम के जरिए सपा के दलित एजेंडे को साधने जा रहे हैं. बता दें कि आज यानी 3 मार्च को अखिलेश यादव, रायबरेली (फ़ुंपी') में कांशीराम की प्रतिमा का अनावरण करने जा रहे हैं. ये पहला मौका है जब अखिलेश यादव, कांशीराम की प्रतिमा का अनावरण करने जा रहे हैं. माना जा रहा है कि अखिलेश के इस कदम के अहम सियासी मायने हैं।

सपा मुखिया अखिलेश यादव, रायबरेली के ऊंचाहार में स्थित एक कॉलेज में कांशीराम की प्रतिमा का उद्घाटन करने जा रहे हैं. बताया जा रहा है कि दलित वोट बैंक को साधने के लिए पूरी रणनीति के तहत अखिलेश यह कदम उठा रहे हैं. सपा का लक्ष्य है कि ज्यादा से ज्यादा दलित वर्ग को सपा के पक्ष में किया जाए, जिससे निकाय चुनावों में और 2024 में भाजपा से सीधी टक्कर ली जा सके।

समाजवादी पार्टी में अब अंबेडकरवादियों की बड़ी फौज है. इनमें से काफी लोग वह हैं जिन्होंने बहुजन समाज पार्टी से निकलकर सपा का दामन थामा है. ये लोग कांशीराम की राजनीतिक विचारधारा और अंबेडकरवादी राजनीतिक स्कूल से निकले हैं, ऐसे में अखिलेश इनका ज्यादा से ज्यादा सियासी लाभ लेना चाहते हैं. बताया जा रहा है कि अखिलेश यादव अपने इस कदम से सपा के दलित एजेंडे को धार देने की कोशिश करेंगी. इसी के साथ सपा अंबेडकरवादियों और लोहिया वादियों को जोड़ने की भी कवायद करेगी.

बता दें कि सियासी रणनीति के तहत समाजवादी पार्टी ने बसपा के कई बड़े नेताओं को अपने साथ जोड़ा है, जिससे सपा दलित वर्ग में अपनी पकड़ को मजबूत कर सके. इंद्रजीत सरोज, केके गौतम, राम अचल राजभर, स्वामी प्रसाद मौर्य, अवदेश प्रसाद, ये वो चेहरे हैं जिनके ऊपर दलित वर्ग को साधने की जिम्मेदारी है.

अखिलेश यादव ने दलित विधायक अवधेश प्रसाद को न सिर्फ विधानसभा में अपने बगल की सीट दी बल्कि वह राष्ट्रीय अधिवेशन में भी अखिलेश यादव के बिल्कुल साथ नजर आए. संदेश दिया गया कि उनका दर्ज प्रदेश में नंबर 1 या 2 का है।

इसी के साथ अखिलेश यादव ने हाल ही में बाबा साहब वाहिनी का गठन भी किया है. ये संगठन सपा का दलित समाज के लिए फ्रंटल ऑर्गेनाइजेशन होगा. इसके माध्यम से भी सपा दलित वर्ग को अपने साथ जोड़ेगी. अब देखना यह होगा कि सपा अपनी इस रणनीति में कितनी कामयाब हो पाती है।

बॉलीवुड पर फिर भारी पड़ा साउथ, 'दसरा' के आगे नहीं टिकी 'भोला'

बीते गुरुवार को साउथ सिनेमा की 'दसरा' और बॉलीवुड की 'भोला' सिनेमाघरों में रिलीज हुई है. ऐसे में आइए जानते हैं इन दोनों फिल्मों से किसने सबसे ज्यादा कमाई की है।

करण वाणी, न्यूज

30 मार्च यानी को गुरुवार को बॉक्स ऑफिस पर साउथ बनाम बॉलीवुड का जबरदस्त क्लैश देखने को मिला है. एक तरफ हिंदी सिनेमा के सुपरस्टार अजय देवगन की 'भोला' (इँङ्ग') सिनेमाघरो में रिलीज हुई है जबकि दूसरी ओर साउथ सुपरस्टार नानी की मोस्ट अवेडेट फिल्म 'दसरा' (ऊं२ं१) भी ऑन द फ्लोर हुई है. इस बीच भोला' और 'दसरा' में से किस फिल्म ने अपनी कमाई से प्रभावित किया है. आइए उसके बारे में यहां जानते हैं.

'भोला' ने दो दिन में किया इतना कलेक्शन

बॉलीवुड सुपरस्टार अजय देवगन की 'भोला' को लेकर तगड़ हाइप बना हुआ है. रिलीज के पहले दिन 'भोला' ने अपनी शानदार कमाई से ये साबित कर दिया कि ये फिल्म आगे भी अच्छा कारोबार करेगी. लेकिन दूसरे दिन 'भोला' के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन में गिरावट दर्ज हुई है. मशहूर ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने शनिवार को 'भोला' के कलेक्शन के दूसरे दिन के कमाई के आंकड़ों की जानकारी अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर दी है. तरण के मुताबिक ओपनिंग डे पर 11.20 करोड़ का बंपर कलेक्शन करने वाली 'भोला' दूसरे दिन 7.80 करोड़ का कारोबार कर पाई है. जिसके चलते फिल्म की कुल कमाई दो दिन में 18.60 करोड़ हो गई है।

'दसरा' निकली 'भोला' से आगे

दूसरी ओर साउथ सुपरस्टार नानी की फिल्म 'दसरा' (ऊं२ं१) को रिलीज के पहले दिन ताबड़तोड़ ओपनिंग मिली. सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार साउथ फिल्म 'दसरा' ने सभी भाषाओं में ओपनिंग डे पर 23.2 करोड़ की धमाकेदार कमाई की है. लेकिन रिलीज के दूसरे दिन 'दसरा' की कमाई में कटौती हुई है, जिसके चलते 'दसरा' सेकेंड डे पर 9.75 करोड़ का बिजनेस कर सकी है. ऐसे में 'दसरा' का कुल कलेक्शन 32.95 करोड़ हो गया है. जिससे ये साफ जाहिर होता है कि नानी की 'दसरा' अजय देवगन की 'भोला' से आगे निकल गई है।

आदिपुरुष पर फिर भड़का लोगों का गुस्सा, बोले- धर्म का मजाक अब सहन नहीं

करण वाणी, न्यूज

ओम राउत की फिल्म आदिपुरुष को लेकर एक बार फिर से चर्चा है और इसका कारण है हालिया रिलीज पोस्टर। कुछ समय पहले जब सभी सितारों के फर्स्ट लुक सामने आए थे तो फिल्म को काफी बुरी तरह से ट्रोल किया गया था तो मेकर्स ने कहा था कि वो लुक्स को बदलने के बाद वापस लौटने वाले हैं। अब जब प्रभास, दीपिका पादुकोण और सनी सिंह का पोस्टर सामने आया है जोकि राम, सीता और लक्ष्मण के किरदार में दिख रहे हैं, लेकिन ट्रोल किया जा रहा है।

कृति सैनन ने इस पोस्टर को साझा करते हुए लिखा है, मंत्रों से बढ़के तेरा नाम, जय श्रीराम, जय श्रीराम। फिर क्या था लोग कमेंट बॉक्स पर भड़क गए और उनका कहना था कि हिंदुओं की आस्था के साथ खेलना कब बंद होगा? जी हां आपको बताते हैं यूजर्स किस तरह से अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे हैं।

एक ने लिखा है, कृपया ऐसी फिल्में करके हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाना बंद करें। जबकि एक का कहना था, अभिनेताओं के खिलाफ कुछ उनकी गलती नहीं है। लेकिन पोस्टर भी आशाजनक नहीं लग रहा है।ह्व दूसरे ने लिखा, जो भी लोग सिया राम के भक्त है उनसे में पूछना चाहता हूं की इस पोस्टर में क्या सच में सिया राम की छवि आपको नजर आती है।? एक ने लिखा, एक और कार्टूनिस्ट पोस्टर।

पंजाब में हुई थी परिणीति-राघव की पहली मुलाकात

एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा और आम आदमी पार्टी के नेता राघव चड्ढा इन दिनों अपने रिलेशनशिप को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में एक्टर और सिंगर हार्डी संधू ने भी इस खबर को कंफर्म कर दिया है। वहीं अब खबर आ रही है कि परिणीति चोपड़ा और राघव की मुलाकात कॉलेज के दिनों में नहीं बल्कि शूटिंग के दौरान हुई थी और कपल के रिलेशनशिप को 6 महीने हो चुके हैं।

पंजाब में मिले थे राघव-परिणीति, 6 महीने से साथ हैं

ईटाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक एक सूत्र ने बताया कि परिणीति पहली बार राघव से पंजाब में मिलीं थीं। उन दिनों वो वहां फिल्म की शूटिंग कर रही थीं। हालांकि, अभी ये पुख्ता नहीं है कि कपल के रिलेशनशिप को कितना वक्त हुआ है, लेकिन कहा जा रहा है कि करीब 6 महीने से दोनों साथ हैं। साथ ही बात शादी तक जा पहुंची है।

इन सेलेब्स ने परिणीति-राघव के रिश्ते को कंफर्म किया

परिणीति-राघव ने भले ही अपने रिश्ते की स्थिति के बारे में कुछ नहीं कहा हो, लेकिन उनसे जुड़े कई लोग इस रिश्ते पर मुहर लगा चुके हैं। हाल ही में सिंगर और एक्टर हार्डी संधु ने बताया था कि दोनों घर बसाने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'फिल्म कोड नेम तिरंगा की शूटिंग के वक्त परिणीति मुझसे शादी को लेकर चर्चा करती थीं। वो कहती कि मैं तभी शादी करूंगी जब लगेगा कि मुझे सही लड़का मिल गया है। वहीं अअढ के सांसद संजीव अरोड़ा ने भी सोशल मीडिया पर दोनों को बधाई दी थी।'

जल्दी हो सकती है ऑफिशियल अनाउंसमेंट

कुछ दिनों पहले टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक ये खबरें थीं कि दोनों का परिवार एक दूसरे के टच में है और जल्द ही किसी तारीख की घोषणा हो सकती है। अभी दोनों के फैमिली मेंबर्स अपने-अपने काम में व्यस्त हैं, इसलिए डेट के अनाउंसमेंट में समय लग रहा है। हालांकि, वे इस संबंध में चर्चा कर रहे हैं। किसी बड़े इवेंट पर इंगेजमेंट की घोषणा हो सकती है। कार्यक्रम को बेहद प्राइवेट रखने की तैयारी है। दोनों के फैमिली मेंबर्स के अलावा चुनिंदा लोग ही इस फंक्शन में शामिल होंगे।

ग्रीष्मकालीन मूंग की खेती का सही समय

किसान इस समय गर्मी यानी जायद में बोई जाने वाली मूंग की बुवाई कर सकते हैं। मूंग जैसी दलहनी फसलों की बुवाई से यह फायदा होता है कि यह खेत में नाइट्रोजन की मात्रा को बढ़ाती हैं, जिससे दूसरी फसलों से भी बढ़िया उत्पादन मिलता है।

मूंग की फसल के लिए ज्यादा बारिश नुकसानदायक होती है, ऐसे क्षेत्र जहां पर 60-75 सेमी तक वार्षिक बारिश होती है, मूंग की खेती वहां के लिए उपयुक्त होती है। मूंग की फसल के लिए गर्म जलवायु की जरूरत पड़ती है।

मूंग की खेती सभी प्रकार की मिट्टी में सफलतापूर्वक की जाती है, लेकिन मध्यम दोमट, मटियार भूमि समुचित जल निकास वाली, जिसका पीएच मान 7-8 हो इसके लिए उत्तम होती है।

ऐसे करें खेत की तैयारी

खेत की पहली जुताई हैरो या मिट्टी पलटने वाले रिजर हल से करनी चाहिए। इसके बाद दो-तीन जुताई कल्टीवेटर से करके खेत को अच्छी तरह भुरभरा बना लेना चहिए। आखिरी जुताई में लेवलर लगाना अति जरूरी है, इससे खेत में नमी लम्बे समय तक संरक्षित रहती है। दीमक से ग्रसित भूमि को फसल की सुरक्षा के लिए क्यूनालफास 1.5 प्रतिशत चूर्ण 25 किलोग्राम प्रति एकड़ के हिसाब से अंतिम जुताई से पहले खेत में बिखेर दें और उसके बाद जुताई कर उसे मिट्टी में मिला दें।

मूंग की इन किस्मों की करें बुवाई

पूसा वैसाखी - फसल अवधि 60-70 दिन , पौधे अर्ध फैले वाले, फलियाँ लम्बी , उपज 8-10 क्विंटल/ हैक्टेयर

मोहिनी - फसल अवधि 70-75 दिन, उपज 10-12 क्विंटल/ हैक्टेयर पीला मोजैक वायरस व सर्कोस्पोरा लीफ स्पोट रोग के प्रति सहनशील।

पन्त मूंग 1 : - फसल अवधि 75 दिन (खरीफ) तथा 65 (जायद) दिन , उपज क्षमता 10-12 क्विंटल/ हैक्टेयर

एमएल 1 : - फसल अवधि 90 दिन , बीज छोटा व हरे रंग का , उपज क्षमता 8-12 क्विंटल/ हैक्टेयर।

वर्षा - यह अगेती किस्म है , उपज क्षमता 10 क्विंटल/ हैक्टेयर

सुनैना - फसल अवधि 60 दिन , उपज क्षमता 12-15 क्विंटल/ हैक्टेयर ग्रीष्म मौसम के लिए उपयुक्त .

जवाहर 45 : - इस किस्म को हाइब्रिड 45 भी कहा जाता है, फसल 75-85 दिन अवधि उपज क्षमता 10-13 क्विंटल/ हैक्टेयर, खरीफ के मौसम के लिए उपयुक्त .

कृष्ण 11: - अगेती किस्म फसल अवधि 65-70 दिन , उपज क्षमता 10-12 क्विंटल/ हैक्टेयर **पन्त मूंग 3** : - फसल अवधि 60-70 दिन, ग्रीष्म ऋतू में खेती के लिए उपयुक्त, पीला मोजैक वायरस तथा पाउडरी मिल्ड्यू रोधक ।

अमृत - फसल आधी 90 दिन यह खरीफ मौसम के लिए उपयुक्त की है , पीला मोजैक वायरस रोग के प्रति सहनशील , उपज क्षमता 10-12 क्विंटल/ हैक्टर।

बीज की मात्रा और बीजोपचार

खरीफ मौसम में मूंग का बीज 12-15 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर लगता है।

जायद में बीज की मात्रा 20-25 किलोग्राम प्रति एकड़ लेना चाहिए। 3 ग्राम थायरम फफूंदनाशक दवा से प्रति किलो बीज के हिसाब से उपचारित करने से बीज और भूमि जन्य बीमारियों से फसल की सुरक्षित रहती है।

600 ग्राम राइजोबियम कल्चर को एक लीटर पानी में 250 ग्राम गुड़ के साथ गर्म कर ठंडा होने पर बीज को उपचारित कर छाया में सुखा लेना चाहिए और बुवाई कर देनी चाहिए। ऐसा करने से नत्रजन स्थरीकरण अच्छा होता है।

फसल बुवाई का समय

बुवाई खरीफ और जायद दोनों फसलो में अलग अलग समय पर की जाती है।

खरीफ में जून के अन्तिम सप्ताह से जुलाई के अंतिम सप्ताह तक बुवाई करनी चाहिए।

जायद में मार्च के प्रथम सप्ताह से

अप्रैल के द्वितीय सप्ताह तक बुवाई करनी चाहिए।

कतार से कतार के बीच दूरी 45 से.मी. तथा पौधों से पौधों की दूरी 10 सेमी उचित है '

खाद और उर्वरक

खाद एवं उर्वरकों के प्रयोग से पहले मिटटी की जाँच कर लेनी चहिये' फिर भी कम से कम 5 से 10 टन गोबर की खाद या कम्पोस्ट खाद देनी।

मूंग के लिए 20 किलो ग्राम नाइट्रोजन तथा 40 किलो ग्राम फास्फोरस 20 किलो ग्राम पोटाश 25 किलो ग्राम गंधक एवम् 5 किलो ग्राम जिंक प्रति हैक्टेयर की आवश्कता होती है।

सिंचाई

खरीफ की फसल में सिंचाई की आवश्यकता नहीं होती है. परंतु फूल आने की अवस्था पर सूखे की स्थिति में सिंचाई करने से उपज में काफी बढ़ोतरी होती है.

खरीफ की फसल में वर्षा कम होने पर फलियाँ बनते समय एक सिचाई करने की आवश्यकता पड़ती है तथा जायद की फसल में पहली सिचाई बुवाई के 30 से 35 दिन बाद और बाद में हर 10 से 15 दिन के अंतराल पर सिचाई करते रहना चाहिए जिससे अच्छी पैदावार मिल सकती है।

प्रथम निराई बुवाई के 20-25 दिन के भीतर व दूसरी 40-45 दिन में करना चाहिये।

फसल की बुवाई के एक या दो दिन बाद तक पेन्डीमेथलीनकी बाजार में उपलब्ध 3.30 लीटर मात्रा को 500 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करना चाहिए। फसल जब 25 -30 दिन की हो जाये तो एक गुड़ाई कस्सी से कर देनी चहिये या इमेंजीथाइपर की 750 मिली . मात्रा प्रति हेक्टयर की दर से पानी में घोल बनाकर छिड़काव कर देना चाहिए।

रोग और कीट नियंत्रण

दीमकः बुवाई से पहले अंतिम जुताई के समय खेत में क्यूनालफोस 1.5 प्रतिशत या क्लोरोपैरिफॉस पॉउडर की 20-25 किलो ग्राम मात्रा प्रति हेक्टेयर की दर से मिट्टी में मिला देनी चाहिए।

कातराः- इस कीट की लट पौधों को आरम्भिक अवस्था में काटकर बहुत नुकसान पहुंचती है ' कतरे की लटों पर क्यूनालफोस 1 .5 प्रतिशत पाउडर की 20-25 किलो ग्राम मात्रा प्रति हैक्टेयर की दर से भुरकाव कर देना चाहिये।

मोयला, सफेद मक्खी और हरा **तेलाः** इनकी रोकथाम के किये मोनोक्रोटोफास 36 डब्ल्यू ए.सी या मिथाइल डिमेटान 25 ई.सी. 1.25 लीटर को प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करना चाहिए ।

फली छेदकः फली छेदक को नियंत्रित करने के लिए मोनोक्रोटोफास आधा लीटर या मैलाथियोन या क्युनालफांस 1.5 प्रतिशत पॉउडर की 20-25 किलो हेक्टयर की दर से छिड़काव /भुरकाव करनी चहिये।

चीती जीवाणु रोगः इस रोग की रोकथाम के लिए एग्रीमाइसीन 200 ग्राम या स्टेप्टोसाईक्लीन 50 ग्राम को 500 लीटर में घोल बनाकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करना चाहिए क

पीत शिरा मोजैकः यह रोग एक मक्खी के कारण फैलता हैक इसके नियंत्रण के लिए मिथाइल डेमेटान 0.25 प्रतिशत व मैलाथियोन 0.1प्रतिशत मात्रा को मिलकर प्रति हेक्टयर की दर से 10 दिनों के अंतराल पर घोल बनाकर छिड़काव करना काफी प्रभावी होता है क

तना झुलसा रोगः इस रोग की रोकथाम हेतु 2 ग्राम मैकोजेब से प्रति किलो बीज दर से उपचारित करके बुवाई करनी चहिए। बुवाई के 30-35 दिन बाद 2 किलो मैकोजेब प्रति हेक्टयर की दर से 500 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करना चहिये ।

पीलिया रोग : इस रोग के कारण फसल की पत्तियों में पीलापन दिखाई देता है। इस रोग के नियंत्रण हेतू गंधक का तेजाब या 0.5 प्रतिशत फैरस सल्फेट का छिड़काव करना चहिये क

जीवाणु पत्ती धब्बा, फफुंदी पत्ती धब्बा और विषाणु रोगः इन रोगो की रोकथाम के लिए कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम , स्ट्राप्टोसाइलिन की 0.1 ग्राम और मिथाइल डेमेटान 25 ई .सी.की एक मिली.मात्रा को प्रति लीटर पानी में एक साथ मिलाकर पर्णीय छिड़काव करना चहिये '

फसल कटाई और गहाई का समय

मूंग की फलियों जब काली पड़ने लगे तथा सुख जाये तो फसल की कटाई कर लेनी चाहिएकअधिक सूखने पर फलियों चिटकने का डर रहता हैक फलियों से बीज को थ्रेसर द्वारा या डंडे द्वारा अलग कर लिए जाता है क

उत्पादन

वैज्ञानिक विधि से खेती करने पर मूंग की 7 -8 कुंतल प्रति हेक्टयर वर्षा आधारित फसल से उपज प्राप्त हो जाती है कसिंचित फसल की औसत उपज 10-12 क्विटंल / हैक्टेयर तक हो सकती है।

भण्डारण

बीज के भण्डारण से पहले अच्छी तरह सुखा लेना चाहिए. बीज में 8 से 10 प्रतिशत से अधिक नमी नहीं रहनी चाहिए. मूंग के भण्डारण में स्टोरेज बिन का प्रयोग करना चाहिए।

तरबूज की खेती में मिलेगा मुनाफा

तरबूज की फसल कम समय में होती है। लागत ज्यादा लगती है तो मुनाफा भी होता है। लेकिन इसमें कीट और रोग बहुत लगते हैं। ऐसे में जरूरी है किसान सही समय पर फसल बचाव के तरीके जरूर अपनाएं। आज की खबर में किसानों को कृषि वैज्ञानिक और एक्सपर्ट फसल बचाव की सलाह दे रहे हैं।

लखनऊ। तरबूज गर्मियों में खाया जाने पसंदीदा फल है। पानी से भरपूर तरबूज लोगों को तरोताजा तो रखता ही है, किसानों के लिए यह फायदे की खेती है। तरबूज कम दिन की फसल है और मुनाफा भी होता है लेकिन इसमें कीट और रोगों का प्रकोप भी खूब होता है। किसान और कृषि वैज्ञानिकों के मुताबिक जो किसान तरबूज की फसल को शुरूआती एक महीने संभाल ले जाते हैं, उनके मुनाफा कमाने के अवसर बढ़ जाते हैं।

तरबूज की बुवाई और रोपाई जनवरी से मार्च तक होती है। जबकि संरक्षित माहौल (यानि पॉलीहाउस लो-टनल, ग्रीन हाउस आदि) में किसान नवंबर-दिसंबर में भी बुवाई कर देते हैं। ज्यादातर किसान तरबूज के बीजों की सीधे बुवाई फरवरी में करते हैं, जबकि कुछ किसान जनवरी में पौध तैयार कर-के जनवरी के आखिर या फिर फरवरी में पौध लगाते हैं। तरबूज 75 से 90 दिन में तैयार होता है।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के तीसरे अग्रिम अनुमानों के आंकड़ों के मुताबिक साल 2020-21 में 115 हजार हेक्टेयर में तरबूज की खेती हुई है और अनुमानित उत्पादन 3205 हजार मीट्रिक टन है। वहीं खरबूजे की साल 2020-21 में 69 हजार हेक्टेयर में खेती हुई है और 1346 हजार मीट्रिक टन उत्पादन अनुमानित है। सामान्य परिस्थितियों में 20-30 टन प्रति हेक्टेयर का उत्पादन होता है लेकिन ये बीज, वैरायटी, जलवायु, किसान की कृषि पद्धति आदि के हिसाब से कम और ज्यादा हो सकता है।

कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण के मुताबिक भारत में सबसे ज्यादा तरबूज का उत्पादन यूपी में होता है। साल 2017-18 की रिपोर्ट में कहा गया है कि यूपी में

करीब 619.65 मिलियन टन तरबूज का उत्पादन होता है जो, देश के कुल उत्पादन का 24 फीसदी है। दूसरे नंबर पर नंबर पर आंध्र प्रदेश था, जहां 360.08 मिलियन टन का उत्पादन हुआ, तीसरे नंबर पर कर्नाटक (336.85 टळ), चौथे पर पश्चिम बंगाल (234.30 टळ) पांचवें पर ओडिशा (226.98) था। तरबूज भारत ही नहीं कई देशों में चाव से खाया जाता है। पूरी दुनिया की बात को तरबूज का सबसे ज्यादा त्पादन चीन में होता है। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (ऋअड) के मुताबिक साल 2019 में चीन की पूरी दुनिया में हुए तरबूज उत्पादन में 67.78 फीसदी की भागीदारी थी, जिसके बाद दौरान टर्की दूसरे और भारत तीसरे नंबर पर था, जिसकी पूरी दुनिया के उत्पादन में भागीदारी मात्र 2.78 फीसदी थी। यानि तरबूज उत्पादन में अभी बहुत संभावनाएं हैं।

सूरत कोर्ट जाएंगे राहुल गांधी?

दो साल की सजा को देंगे चुनौती,

राहुल गांधी को लोकसभा सांसद के रूप में अयोग्य घोषित कर दिया गया था, वह सोमवार (3 अप्रैल) को सूरत की एक सेशन कोर्ट में अपनी सजा को चुनौती दे सकते हैं।

करण वाणी, न्यूज

कांग्रेस नेता राहुल गांधी को हाल ही में आपराधिक मानहानि के एक मामले में दो साल की जेल की सजा सुनाए जाने के बाद लोकसभा सांसद के रूप में अयोग्य घोषित किया गया था. राहुल सोमवार (3 अप्रैल) को इस सजा के खिलाफ गुजरात के सूरत कोर्ट जा सकते हैं. यहां वह अपनी सजा के खिलाफ याचिका दायर करेंगे और कोर्ट के फैसले को चुनौती देंगे. उम्मीद की जा रही है कि गांधी अपनी याचिका में कोर्ट से 'मोदी सरनेम' मामले में उन्हें दोषी ठहराने वाले मजिस्ट्रेट के आदेश को रद्द करने के लिए कहेंगे।

इससे पहले कोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी थी और 30 दिनों के लिए सजा को निलंबित कर दिया था, ताकि उन्हें हाई कोर्ट में अपील करने का समय मिल सके. बीजेपी विधायक पूर्णेश मोदी की तरफ से उनकी कथित टिप्पणी के लिए एक शिकायत दर्ज की गई थी जिसमें लिखा था "सभी चोरों का उपनाम मोदी कैसे हो सकता है? . इसके बाद चीफ ज्यूडिशल मजिस्ट्रेट एचएच वर्मा की अदालत ने 52 वर्षीय गांधी को भारतीय दंड संहिता की धारा 499 और 500 के तहत दोषी ठहराया था।

बीजेपी ने आरोप लगाया है कि राहुल गांधी की कानूनी टीम ने कोर्ट के आदेश को चुनौती देने के लिए पर्याप्त मुस्तैदी नहीं दिखाई, क्योंकि पार्टी कर्नाटक चुनाव से पहले इसे भुनाने की कोशिश कर रही है. सवाल उठे थे कि कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की गिरफ्तारी पर तत्काल कार्रवाई हुई थी, लेकिन राहुल गांधी की सजा के बाद नहीं. हालांकि, इसपर कांग्रेस की तरफ से सफाई भी आई थी।

मामले को लेकर कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पहले कहा था कि कानूनी टीम इस पर काम कर रही है. विपक्षी दलों ने हाल ही में राहुल को लोकसभा से अयोग्य घोषित किए जाने के खिलाफ अपना विरोध भी दर्ज कराया था. राज्य कांग्रेस के नेताओं और विभिन्न दलों के पदाधिकारियों ने गांधी के साथ एकजुटता दिखाने के लिए शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया।

बंगाल में फिर भड़की हिंसा, हुगली में शोभायात्रा के दौरान दो गुटों में झड़प

पश्चिम बंगाल के हावड़ा के बाद अब हुगली में हिंसक वारदात सामने आई है. यहां रामनवमी को लेकर शोभा यात्रा निकाली जा रही थी, इस दौरान हिंसक झड़प हो गई, शोभा यात्रा में बीजेपी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिलीप घोष भी शामिल थे, हालांकि, हिंसा के पहले घोष वहां से जा चुके थे।

करण वाणी, न्यूज

पश्चिमं बंगाल में रामनवमी के जुलूस के दौरान एक बार फिर हिंसक झड़प की घटना सामने आई है. हुगली में रामनवमी पर निकाली जा रही शोभायात्रा पर पत्थरबाजी और आगजनी का मामला सामने आया है. बताया जा रहा हुगली के रिशरा में हिंदू संगठन शोभायात्रा निकाल रहे थे।

जुलूस में बीजेपी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिलीप घोष भी शामिल हुए थे. दिलीप घोष के जाने के बाद अचानक दो संप्रदायों में मारपीट शुरू हो गई. हिंसा के दौरान उपद्रवियों ने आगजनी की घटना को भी अंजाम दिया. घटनास्थल पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है।

रैली का आयोजन भाजपा, विश्व हिंदू परिषद और दूसरे हिंदू संगठनों ने किया था. चंदननगर पुलिस आयुक्तालय के पुलिस आयुक्त अमित जबलगीर को अतिरिक्त पुलिस बल के साथ मौके पर रवाना कर दिया गया है. बीजेपी का दावा है कि विधायक बिमान घोष हमले में घायल हुए हैं।

पथराव के दौरान कई पुलिसकर्मी भी घायल हो गए. घटना उस समय हुई, जब शोभा यात्रा रिशरा के संध्या बाजार इलाके को पार कर रही थी. जानकारी के मुताबिक यह इलाका अस्पसंख्यक बहुल है।

दिलीप घोष का गंभीर आरोप

बीजेपी नेता दिलीप घोष ने आरोप लगाया है कि शोभा यात्रा के दौरान महिलाओं और बच्चों पर पथराव किया गया. हावड़ा में हुई हिंसा के बाद भी राज्य सरकार कोई कार्रवाई नहीं कर रही है. पथराव किया जा रहा है और वाहनों में तोड़फोड़ की जा रही है. इस मुद्दे को लेकर दिलीप घोष रात 8.30 बजे प्रेस कांफ्रेंस करेंगे।

टीएमसी प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा कि हुगली में जो हुआ है, वह हावड़ा जैसा ही है. बीजेपी पूर्व नियोजित तरीके से दंगे भड़काने की कोशिश कर रही है. हम और विवरण मांग रहे हैं. बीजेपी नेता सुकांत और दिलीप घोष के बीच होड़ है कि कौन ज्यादा दंगे भड़का सकता है।

हावड़ा में भी हुई थी हिंसा

इससे पहले पश्चिम बंगाल के हावड़ा में रामनवमी के जुलूस के बाद लगातार दो दिन तक अशांति के बाद शिबपुर क्षेत्र में स्थिति बिगड़ गई थी. कई घंटों इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई थीं. रामनवमी उत्सव के दौरान हावड़ा जिले के काजीपारा इलाके में विश्व हिंदू परिषद और बंजरग दल ने शोभायात्रा निकाली थी. इस दौरान ही हिंसा हुई कई वाहनों को आग के हवाले किया गया था. पथराव भी हुआ था।

शोभायात्रा में शामिल थीं महिलाएं

हावड़ा वाली घटना के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा था कि मेरे आंख और कान खुले हैं. मुझे सब दिख रहा. मैंने पहले ही चेतावनी दी थी कि मुस्लिम बहुल इलाकों से शोभायात्रा को लेकर ना जाएं, उनको सावधानी बरतनी चाहिए थी. मैंने कहा था कि राम नवमी पर रैली निकाली गई तो हिंसा हो सकती है।

हिंसा के पहले का वीडियो

ममता ने आगे हावड़ा हिंसा को दंगे का नाम दिया था. उन्होंने कहा था, 'मैंने सुना है कि हावड़ा में दंगा हुआ है.' उन्होंने कहा था कि हिंसा के सिलसिले में 31 लोगों को गिरफ्तार किया गया है. वहीं प्रशासन की ओर से कहा गया कि कुछ अफसरों की ओर से ढिलाई बरती गई. झड़प में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय पर करेगी

जय भारत सत्याग्रह व उपवास

करण वाणी, न्यूज

लखनऊ। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी की संसद सदस्यता समाप्त किए जाने के बाद उत्तर प्रदेश कांग्रेस मोदी अडानी गठजोड़ द्वारा जनता की गाढ़ी कमाई की लूट के मुद्दे को लेकर काफी मुखर है।

कांग्रेस प्रवक्ता विकास श्रीवास्तव ने बताया कि विश्व के सबसे बड़े कार्पोरेट घोटाले को लेकर मा0 श्री राहुल गांधी जी एवं कांग्रेस पार्टी प्रधानमंत्री मोदी की नीति और नीयत के खिलाफ लगातार सवाल उठा रही है। अप्रैल माह के अंत में प्रदेश मुख्यालय, लखनऊ में लाखों की भीड़ जुटाकर वृहद स्तर पर ह्यह्यजय भारत सत्याग्रहह्ह्ह कार्यक्रम करेगी जिसमें नेतागण एक दिन का उपवास भी रखेंगे। इस राज्य स्तरीय आयोजन में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खड़गे जी, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष श्री राहुल गांधी जी, राष्ट्रीय महासचिव प्रभारी उत्तर प्रदेश कांग्रेस श्रीमती प्रियंका गांधी वाड्रा, कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्री, पूर्व केन्द्रीय कैबिनेट मंत्रीगण शामिल होंगे।

कांग्रेस प्रवक्ता विकास श्रीवास्तव ने बताया कि कांग्रेस कार्यकर्ता श्री राहुल गांधी जी की आनन-फानन में समाप्त की गई संसद सदस्यता और राष्ट्रीय सम्पत्ति की भयंकर लूट के प्रकरण पर अत्यन्त आक्रोशित हैं। राष्ट्रीय नेतृत्व से लेकर जमीनी स्तर के कार्यकर्ता इन मुद्दों पर एकजुट होकर भाजपा और मोदी सरकार के खिलाफ व्यापक रणनीति के साथ आर-पार का आंदोलन कर रहे हैं।

कांग्रेस प्रवक्ता ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खड़गे जी के निर्देश पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस द्वारा ह्यह्यजय भारत सत्याग्रहह्ह्ह अभियान के तहत सभी जनपद मुख्यालयों, समस्त ब्लॉकों व ग्राम सभाओं में पूरे माह भर प्रेस कॉन्फ्रेंस, सघन जनसंपर्क, जिला कलेक्ट्रेट का घेराव, धरना प्रदर्शन, मशाल जुलूस व पद यात्रा निकालना जैसे कार्यक्रम करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही ह्यह्यजय भारत सत्याग्रहह्ह्ह अभियान के तहत प्रदेश के समस्त ब्लॉकों में सिविल सोसाइटी, युवक कांग्रेस, राष्ट्रीय छात्र संगठन, फ्रन्टल, विभागों/प्रकोष्ठों समेत सभी कांग्रेस कार्यकर्ता, पदाधिकारीगण अपने-अपने क्षेत्रों से करोड़ो की तदाद में पोस्टकार्ड भेजकर प्रधानमंत्री मोदी से इस आर्थिक भ्रष्टाचार, देश में बढ़ती बेरोजगारी ,व्याप्त बेतहाशा महंगाई जैसे प्रासंगिक मुद्दों पर सवाल पूछेंगे। उन्होंने बताया कि इस परिपेक्ष्य में आज यहां उत्तर प्रदेश

कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व सांसद बृजलाल खाबरी जी की अध्यक्षता एवं राष्ट्रीय सचिव सत्यनारायण पटेल, प्रदीप नरवाल की उपस्थिति में सभी प्रांतीय अध्यक्ष गण क्रमशः पूर्व मंत्री मा0 नसीमुद्दीन सिद्दीकी, पूर्व मंत्री मा0 नकुल दुबे, मा0 विधायक वीरेन्द्र चौधरी, मा0 योगेश दीक्षित, मा0 अनिल यादव ने प्रदेश कांग्रेस के पदाधिकारियों के साथ व्यापक विचार-विमर्श कर पूरे अप्रैल माह भर सत्य मेव जयते की टैग लाइन के साथ जय भारत सत्याग्रह कार्यक्रम पर व्यापक रणनीति के साथ जनजागरण अभियान चलाने का निर्णय लिया है। जिसमें प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सभी वरिष्ठ नेताओं, पूर्व सांसद विधायक, फ्रंटल संगठनों, विभागों और प्रकोष्ठों के नेताओं पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ-साथ सिविल सोसाइटी के वरिष्ठजनों को प्रमुखता से शामिल कर मोदी सरकार की जनविरोधी नीतियों को उजागर किये जाने का निर्णय लिया गया है। बैठक में उ0प्र0 कांग्रेस कमेटी के संगठन सचिव अनिल यादव, कोषाध्यक्ष शिव पाण्डेय, प्रदेश उपाध्यक्ष पूर्व श्री विधायक सोहिल अख्तर अंसारी, श्री फूल कुंवर, विश्व विजय सिंह, प्रदेश महासचिव सैफ अली नकवी, सुबोध श्रीवास्तव, विदित चौधरी, प्रकाश प्रधान, मणीन्द्र मिश्रा, त्रिभुवन नारायण मिश्रा, देवेन्द्र प्रताप सिंह, जयकरन वर्मा, अंशू तिवारी, धर्मेन्द्र कुमार निषाद, अखिलेश शुक्ला, राहुल रिछारिया, सचिन चौधरी, प्रदेश सचिव रमेश शुक्ला, फिरोज अहमद खान, जीतलाल सरोज, मुकेश धनगर, सच्चिदानंद पाण्डेय, प्रतिभा अटल पाल, कर्मराज यादव, मनोज तिवारी, बृजेश सिंह, अभिमन्यु सिंह, जनक कुशवाहा, संतोष कटाई, चन्द्रशेखर मिश्रा, उज्जवल शुक्ला, राजेश राकेश, अनुज मिश्रा, अम्बरीष गौर, अमर सिंह जांगिड़, मनीराम कुशवाहा सहित प्रदेश के समस्त प्रदेश पदाधिकारी गण मौजूद रहे।

अपील के नाम पर हुड़दंग, कांग्रेस सूरत में करने जा रही नौटंकी: बीजेपी

मानहानि केस में राहुल गांधी आज दोपहर 2 बजे सजा के खिलाफ कोर्ट में याचिका दायर करने पहुंचेंगे. राहुल समेत पार्टी के दिग्गज नेता मौजूद रहेंगे।

करण वाणी, न्यूज

मानहानि केस में 2 साल की सजा सुनाए जाने के बाद आज कांग्रेस नेता राहुल गांधी सूरत की सेशंस कोर्ट में मजिस्ट्रेट के आदेश के खिलाफ याचिका दायर करेंगे. पार्टी सूत्रों के मुताबिक, राहुल तीन वकीलों के साथ अपने परिवार को लेकर कोर्ट पहुंच सकते हैं. वहीं, इस बीच भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए नौटंकी करने का आरोप लगाया है।

बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर राहुल गांधी समेत कांग्रेस पार्टी पर कड़ा वार किया है. पात्रा बोले, राहुल गांधी अपने परिवार के सदस्य, सीएम अशोक गहलोत और भूपेश बघेल के साथ सूरत जा रहे हैं. यहां ये 2 साल की सजा के खिलाफ अपील के नाम पर तबाही मचाने की कोशिश करेंगे. उन्होंने पार्टी और राहुल से सीधा सवाल करते हुए पूछा, क्या ये न्यायपालिका पर दबाव बनाने की कोशिश हो रही है?

यूपीए सरकार के दौरान बनाए गए कानून के तहतः संबित पात्रा

पात्रा ने कहा, राहुल गांधी को ओबीसी समाज के लोगों के लिए जातिसूचक शब्द का इस्तेमाल करने, ओबीसी समाज को अपमानित करने

के लिए दोषी करार कर दंडित किया. उनकी सदस्यता रद्द हुई. ये कार्रवाई यूपीए सरकार के दौरान बनाए गए कानून के तहत ही हुई है. अब ये सभी (राहुल, प्रियंका गांधी, भूपेश बघेल, अशोक गहलोत) सजा के खिलाफ याचिका दायर करने जा रहे हैं. वहां हंगामा करने जा रहे हैं. उन्होंने कहा, इस हंगामे की आखिर जरूरत क्या है? आप लोग सीधे तौर पर नौटंकी करने जा रहे हैं.

राहुल गांधी ने चुनाव प्रचार के दौरान...

बता दें, मोदी सरनेम मामले में सूरत की एक कोर्ट ने 23 मार्च को कांग्रेस नेता राहुल को दोषी माना था और उन्हें 2 साल की सजा सुनाई थी. सजा सुनाए जाने के अगले ही दिन उनकी लोकसभा सदस्यता रद्द कर दी गई. दरअसल राहुल ने साल 2019 के लोकसभा चुनाव के प्रचार के दौरान कर्नाटक में मोदी सरनेम को लेकर विवादित बयान दिया था. इस बयान से मोदी समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंची थी. जिसके बाद गुजरात के बीजेपी विधायक ने सूरत कोर्ट में राहुल के खिलाफ मामला दर्ज कराया जिस पर अब सजा सुनाई गई।

एक सिद्धू मरवा दिया, दूसरा भी मरवा दो, मैं नहीं डरता: नवजोत सिंह सिद्धू

सिद्धू की जेड +सिक्योरिटी में कटौती कर उसे वाइ सिक्योरिटी कर दिया गया, कांग्रेस नेता ने अपनी सुरक्षा कम किए जाने को लेकर कहा, 'पहले एक सिद्धू को मरवा दिया, अब दूसरा मरवा दो।

करण वाणी, न्यूज

पंजाब कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू ने पटियाला जेल से रिहाई के बाद जहां केंद्र सरकार और पंजाब सरकार पर जमकर हमला बोला, वहीं सुरक्षा कम किए जाने के मुद्दे पर भी सिद्धू का दर्द छलका, सिद्धू ने कहा कि मेरी सुरक्षा कम की गई है, पहले एक सिद्धू को मरवा दिया, अब दूसरा भी मरवा दो, आपको बता दें कि शनिवार को ही पंजाब सरकार ने सिद्धू की जेड+ सिक्योरिटी में कटौती करते हुए उनकी वाइ सिक्योरिटी कर दी थी।

सिद्धू ने कहा वो मौत से नहीं डरते

कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू ने अपनी सुरक्षा कम किए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मैं संविधान को अपना ग्रंथ मानता हूं, तानाशाही की जा रही है, जो संस्थाएं संविधान की ताकत थी उन्हें गुलाम बनाया जा रहा है. उन्होंने कहा मैं घबराता नहीं हूं ना ही मौत से डरता हूं, क्योंकि मैं जो कुछ कर रहा हूं पंजाब की अगली पीढ़ी के लिए कर रहा हूं।

केंद्र पंजाब में लगाना चाहता है राष्ट्रपति शासन

सिद्धू ने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि आज लोकतंत्र बेड़ियों में जकड़ा हुआ है, उन्होंने कहा कि पंजाब में राष्ट्रपति शासन लगाने की साजिश रची जा रही है, पंजाब देश की ढाल है जिसे तोड़ने की कोशिश की जा रही है, साथ ही सिद्धू ने कहा कि पंजाब में अल्पसंख्यकों के खिलाफ केंद्र सरकार साजिश रचने में लगी हुई है, उन्होंने केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले पंजाब में कानून व्यवस्था को लेकर समस्या पैदा की जाती है, फिर उसको

नियंत्रण करने की कोशिश की जाती है, अगर पंजाब को कमजोर करने की साजिश की गई तो खुद भी कमजोर हो जाएंगे, पंजाब को कमजोर करके कोई सरकार मजबूत नहीं बन सकती है, वही सिद्धू ने सीएम मान को अखबारी मुख्यमंत्री बताकर उनपर निशाना साधा।

शरद पवार ने राहुल गांधी को दिखाया आईना, सावरकर व अडानी मामले पर भी दी नसीहत

एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार ने कहा कि देश की आजादी के लिए सावरकर के बलिदान को नहीं भुलाया जा सकता। उन्होनें कहा कि सावरकर के मामले को राष्ट्रीय मुद्दा नहीं बनाना चाहिए। अडानी मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट की कमिटी को शरद पवार ने ज्यादा असरदार बताया।

करण वाणी, न्यूज

सावरकर पर दिए गए अपने बयान पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी अलग-थलग पड़ते दिखाई दे रहे हैं। महाराष्ट्र में कांग्रेस की सहयोगी शिवसेना उद्धव गुट के बाद अब ठउढ ने भी राहुल को सावरकर मुद्दे पर आईना दिखाया है। शनिवार को नागपुर पहुंचे एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार ने कहा कि देश की आजादी के लिए सावरकर के बलिदान को नहीं भुलाया जा सकता।

उन्होनें कहा कि सावरकर के मामले को राष्ट्रीय मुद्दा नहीं बनाना चाहिए। खासकर तब जब देश में पहले से ही बहुत सारे मुद्दे हैं। पवार ने कहा कि सावरकर ने समाज को जोड़ने के लिए कई सारे प्रोग्रेसिव कार्य किए हैं। वहीं अडानी मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट की कमिटी को शरद पवार ने ज्यादा असरदार बताया।

उद्धव ठाकरे भी जता चुके हैं आपत्ति

बता दें कि सावरकर पर दिए गए बयान को लेकर राहुल गांधी हमेशा बीजेपी के निशाने पर रहे हैं तो बीजेपी राहुल के बयान को मुद्दा बनाकर महाराष्ट्र में सावरकर गौरव यात्रा भी निकाल रही है। महा विकास अघाड़ी में शामिल, शिवसेना उद्धव गुट के नेता उद्धव ठाकरे भी राहुल के सावरकर वाले बयान पर आपत्ति जता चुके हैं।

"सावरकर के बलिदान की अनदेखी नहीं कर सकते"

अध्यक्ष शरद पवार ने कहा, "आज सावरकर नेशनल इश्यू नहीं हैं, ये पुरानी बात हो गई। हम लोंगों ने उनके खिलाफ कुछ बातें की थीं, वो व्यक्तिगत नहीं थी, हिंदू महासभा के खिलाफ थी। देश की आजादी के लिए जो त्याग सावरकर जी ने किया उसे कोई नजर अंदाज नहीं कर सकता। करीब 32 साल पहले संसद में मैंने उनके प्रगतिशील विचारों के बारे में बात की थी, उसे दोहराना चाहता हूं। हमें सावरकर जी का प्रगतिशील पक्ष भी देखना चाहिए।"

अडानी मामले पर भी कांग्रेस को दी नसीहत

वहीं, राष्ट्रवादी कांग्रेस पाटी के प्रमुख शरद पवार ने शनिवार को अडानी समूह द्वारा कथित स्टॉक हेरफेर मुद्दे की जांच के लिए भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा नियुक्त सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित 6 सदस्यीय समिति का पक्ष लेते हुए कहा कि यह कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष द्वारा मांग की गई संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से अधिक प्रभावी होगी। पवार ने अपने स्टैंड को सही ठहराते हुए कहा कि यह एक सामान्य ज्ञान है कि जेपीसी में सत्ताधारी पार्टी (भाजपा) के अधिक सदस्य होंगे क्योंकि संसद में इसका भारी बहुमत है। इसलिए, प्रभाव के संदर्भ में, जेपीसी सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त समिति के खिलाफ संतुलित पैनल नहीं होगा, जिसमें स्वतंत्र विशेषज्ञ हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक सीमा सिंह द्वारा प्वांइट ऑफसेट, 86/98 कुर्मी टोला गुरुगोविन्द सिंह मार्ग, लालकुआं, लखनऊ-226018 से मुद्रित एंव पहाड़पुर, पोस्ट बंथरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक- पंकज सिंह मो- 9415067370 E-mail:-karnvaninews@gmail.com website:- www.karnvaninews.com RNI-UPHIN/2016/74800